कसायपाहुडं भाग-4 (फोल्डर नं. 001410)

मुख्य टाइटल

विषय-सूची

भुजगार आदिके अर्थपद कहनेकी प्रतिज्ञा ---------- 1

अर्थपद शब्दका अर्थ---------- 1

भुजगारविभक्तिका अर्थपद---------- 2

अल्पतरविभक्तिका अर्थपद ---------- 2

अवस्थितविभक्तिका अर्थपद---------- 2

अवक्तव्यविभक्तिका अर्थपद---------- 3

भुजगारके 13 अनुयोगद्वार ---------- 3-105

समुत्कीर्तना----------4-5

स्वामित्व ----------6-14

मिथ्यात्व---------- 6

सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्व ----------7-9

शेष कर्म----------9-10

उच्चारणाके अनुसार स्वामित्व ----------10-14

सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्वके विषयमें दो उच्चारणाओंके मतोंका निर्देश----------12-13

एक जीवकी अपेक्षा काल ----------14-42

मिथ्यात्व ---------- 14-20

भुजगारविभक्तिके चार समय ----------15

भिन्न-भिन्न स्थितिबन्धके कारणभूत संक्लेशपरिणामोंका विचार---------- 16-17

स्थितिबन्धाध्यवसानस्थानोंके परिणमनकालका विचार---------- 17-18

सोलह कषाय और नौ नोकषाय---------- 20-23

सोलह कषायोंके भुजगारके 17 समयोंका विचार ---------- 20-21

नौ नोकषायोंके भुजगारके 17 समयोंका विचार ----------21

स्त्रीवेद आदिके अवस्थितका अन्तर्मुहूर्त काल कहाँ किस प्रकार प्राप्त होता है इसका विचार------ 23-23

अनन्तानुबन्धीके अवक्तव्यका काल---------- 23-24

सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्वके भुजगार आदिका काल---------- 24-26

उच्चारणाके अनुसार कालका विचार ---------- 26-42

एक जीवकी अपेक्षा अन्तर----------42-50

मिथ्यात्व---------- 42-43

शेष कर्म----------43

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

उच्चारणाके अनुसार अन्तर ---------- 43-50
नाना जीवोंकी अपेक्षा भंगविजय ---------- 50-55
मिथ्यात्व, सोलह कषाय और नौ नोकषाय ---------- 50-51
सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्व ---------- 51
उच्चारणाके अनुसार भंगविचय ---------- 51-55
उच्चारणाके अनुसार भागाभाग ---------- 55-57
उच्चारणाके अनुसार परिमाण ---------- 57-59
उच्चारणाके अनुसार क्षेत्र ---------- 59-60
उच्चारणाके अनुसार स्पर्शन ---------- 60-66
नाना जीवोंकी अपेक्षा काल ---------- 67-73
सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्व ---------- 67-68
शेष कर्म ---------- 68
अनन्तानुबन्धीका अवक्तव्यकाल ---------- 68-69
उच्चारणाके अनुसार काल ---------- 69-73
नाना जीवोंकी अपेक्षा अन्तर ---------- 74-77
शेष कर्म ---------- 77
अनन्तानुबन्धीके अवक्तव्यका अन्तर ---------- 77
उच्चारणाके अनुसार अन्तर ---------- 78-82
उच्चारणाके अनुसार भाव ---------- 82-83
सन्निकर्ष ---------- 83-95
मिथ्यात्वकी मुख्यतासे ---------- 83-84
शेषके विषयमें जाननेकी सूचना व उसका व्याख्यान ---------- 84-95
अल्पबहुत्व ---------- 95-105
मिथ्यात्व ---------- 95-97
बारह कषाय और नौ नोकषाय ---------- 97
सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्व ---------- 97-102
अनन्तानुबन्धी चतुष्क ---------- 102
उच्चारणाके अनुसार अल्पबहुत्व ---------- 102-105
पदनिक्षेपके 3 अनुयोगद्वार ---------- 105-117
प्रतिज्ञा ---------- 105
तीन अनुयोगद्वारोंके नाम ---------- 105-106

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

उच्चारणाके अनुसार समुत्कीर्तना ---------- 106
उत्कृष्ट ---------- 106
जघन्य ---------- 106
उच्चारणाके अनुसार स्वामित्व ---------- 107-110
उत्कृष्ट ---------- 107-109
जघन्य ---------- 109-110
उत्कृष्ट अल्पबहुत्व ---------- 110-116
मिथ्यात्व ---------- 110-111
सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्वके अतिरिक्त शेष कर्म ---------- 111
नपुंसकवेद, अरति, शोक, भय और जुगुप्सा ---------- 111-112
सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्व ---------- 112-113
उच्चारणाके अनुसार उत्कृष्ट अल्पबहुत्व ---------- 113-116
जघन्य अल्पबहुत्व ---------- 113-116
जघन्य अल्पबहुत्व ---------- 116-117
उच्चारणाके अनुसार जघन्य अल्पबहुत्व ---------- 116-117
वृद्धिके 13 अनुयोगद्वार ---------- 117-319
प्रतिज्ञा ---------- 117
वृद्धिके दो भेद और उनका विचार ---------- 118-139
स्वस्थानवृद्धि ---------- 118-120
परस्थानवृद्धि ---------- 121
स्वस्थानवृद्धिकी निरन्तर वृद्धिका कथन ---------- 121-134
परस्थानवृद्धि ---------- 135-137
स्थानहानिप्ररूपणा ---------- 137-139
मिथ्यात्वकी कितनी वृद्धियां और कितनी हानियां होती हैं इसका निर्देश ---------- 140-141
शेष कर्मोंकी वृद्धियां और हानियां ---------- 141-151
उच्चारणाके अनुसार समुत्कीर्तना ---------- 151-160
उच्चारणाके अनुसार स्वामित्व ---------- 160-163
एक जीवकी अपेक्षा काल ---------- 164-190
मिथ्यात्व ---------- 164-169
महाबन्ध और कषायप्राभृतमें मतभेदका निर्देश ---------- 165
शेष कर्म ---------- 165
उच्चारणा के अनुसार काल ---------- 169-190
एक जीवकी अपेक्षा अन्तर ---------- 191-221

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

मिथ्यात्व ---------- 191-194
शेष कर्म ---------- 194
उच्चारणाके अनुसार अन्तर ---------- 194-221
उच्चारणाके अनुसार भंगविचय ---------- 222-223
उच्चारणाके अनुसार भागाभाग ---------- 227-228
उच्चारणाके अनुसार परिमाण ---------- 228-230
उच्चारणाके अनुसार क्षेत्र ---------- 231
उच्चारणाके अनुसार स्पर्शन ---------- 232-250
उच्चारणाके अनुसार काल ---------- 251-260
उच्चारणाके अनुसार अन्तर ---------- 260-274
उच्चारणाके अनुसार भाव ---------- 274
अल्पबहुत्व ---------- 274-319
मिथ्यात्व ---------- 274-288
बारह कषाय और नौ नोकषाय ---------- 288-289
सम्यक्त्व और सम्यग्मिथ्यात्व ---------- 289-302
अनन्तानुबन्धीचतुष्क ---------- 302-303
स्थितिसत्कर्मस्थान ---------- 319-336
स्थितिसत्कर्मस्थानोंके दो अधिकार ---------- 319
प्ररूपणा ---------- 319-329
अल्पबहुत्व ---------- 329-336

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org